



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (formerly Kanpur University)



मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित
अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

दिनांक : 24 जून 2022
समय : पूर्वान्ह 11:00

CSJMU organises special session on yoga

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJMU) organised a special session on yoga on Friday as part of the International Yoga Day in association with the Department of Physical Education and School of Health Sciences. The session was held as per the theme for this day 'Yoga for Humanity'. A memorandum of understanding (MoU) was signed between CSJMU and Mokshayatan International to promote yoga.

The chief guest, Padamshri Swami Bharat Bhushan, addressing the session expressed his happiness and appreciation for CSJMU and said that excellent teachers were never satisfied with what they already knew and were constantly seeking knowledge. He informed that the world's first university was founded in India and the term 'guru' originally referred to a yogi. He asserted that the ability to develop exceptional personalities lay with the instructor. He responded to inquiries from students on Yoga after his address. Prof Vinay Kumar Pathak, Vice-Chancellor of CSJMU and chairman of this programme, expressed his joy and said that yoga was an age-old practice that had its roots in Indian philosophy. He said although it started as a spiritual practice it had gained popularity in spreading physical and mental well-being. He said that the varsity would develop new yoga courses to encourage individuals to practice yoga. Ayurvedacharya, Dr Vandana Pathak, who was the special guest said that yoga kept the body and mind healthy and made the routine good. Yoga should be practised regularly by everyone



Padamshri Swami Bharat Bhushan lighting the ceremonial lamp to inaugurate Yoga Day at CSJMU on Friday.

as regular practice enhanced cognitive, spiritual and physical abilities. She said though one may hope for a guru to guide through yoga's deeper practices, many students require nothing more

than a skilled asana teacher. She said it is essential to learn yoga under a yoga guru who can perform and teach its ideologies as well.

University Registrar Dr Anil Kumar Yadav

expressed gratitude to everyone and said assembly of huge number of participants was highly encouraging. He said the 108 surya namaskars competition, 74 participants from the yoga asana sports competition and 95 participants from the monthly yoga session received certificates and winners received medals and memento. Students from 13 colleges and institutes participated in the yoga asana sports competition.

Pro-Vice-Chancellor Prof Sudhir Kumar Awasthi who was special guest and introduced Swami Bharat Bhushan and said that Swamiji was the founder and chairman of Mokshayatan International Yogashram, Saharanpur. He said Swamiji had developed a triangle-based approach to physical growth based on the Sattvik diet, yoga and isometric exercises.

Mahila Mahavidyalaya, SN Sen Mahavidyalaya, Brahmanand PG College, DAV College, VSSD College, and Dayanand Girls' Degree College participated in the yoga asana sports competition. In the female category the winners Bhumi, Aaradhya, Shraddha, Shubhi, Mansi, Jyoti, Kajal, Kanchan, Kamal, Priyanka and in the male category, the winners Tejasvi, Ashutosh, Prakhar, Yogesh, Amarnath Verma, Ritesh and Ravi were awarded with medals and mementoes by Swamiji. Prof Sudhanshu Pandeya, Dr Ashish Kumar Dubey, Dr Ram Kishore (programme coordinator) and Dr Digvijay Sharma were also present in this programme. The students of the Music department greeted the guests warmly and presented Saraswati Vandana.





सीएसजेएमयू में हुआ योग महोत्सव का आयोजन

योगी बने, निरोगी बने, उपयोगी बनें तथा सहयोगी बने दृ स्वामी भारत भूषण

भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा योग पर शोध के लिए वि.वि. तैयार: प्रो. पाठक

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुर। योगी बने, निरोगी बने, उपयोगी बनें तथा सहयोगी बने, ये कहना है मोक्षायतन अंतराष्ट्रीय आश्रम के संस्थापक तथा पद्मश्री से सम्मानित प्रथम योग गुरु स्वामी भारत भूषण का। उन्होंने ये बात छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि कही। स्वामी भारत भूषण ने सीएसजेएमयू के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्कृष्ट शिक्षक कभी प्राप्त ज्ञान से संतुष्ट नहीं होते हैं और निरंतर नए ज्ञान की खोज में लगे रहते हैं। दुनिया को पहला विश्वविद्यालय, नालंदा भारत की देन थी। स्वामी जी ने बताया कि शब्द “गुरु” मूल रूप से एक योगी को संदर्भित करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असाधारण व्यक्तित्व विकसित करने की क्षमता मात्र शिक्षक के पास ही होती है। गुरु ही है, जो किसी भी छात्र को राष्ट्रपति, डॉक्टर, इंजीनियर आदि बना सकता है। इस अवसर पर उन्होंने जिज्ञासुओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यक्रम में मोक्षायतन अंतराष्ट्रीय आश्रम तथा सीएसजेएमयू के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किया गया। कार्यक्रम की



अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि योग आध्यात्मिक अभ्यास के रूप में शुरू हुआ, परन्तु अब शारीरिक और मानसिक सशक्तिकरण में अपनी उपयोगिता साबित कर जन-जन में लोकप्रियता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सीएसजेएमयू द्वारा छात्रों को योगाभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नए योग पाठ्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं। प्रो. पाठक ने कहा कि योग को महायोग की तरफ ले जाने के लिए हम सभी को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके साथ ही

उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा योग पर शोध के लिए विश्वविद्यालय पूरी तरह से तैयार है।

विशिष्ट अतिथि प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने स्वामी भारत भूषण का जीवन परिचय देते हुए उन्हें मानवता का अकिंचन सेवक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कृतित्व और व्यक्तित्व वाले शख्सियत संपूर्ण भारत के लिए एक वरदान है। आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने कहा कि योगाभ्यास सभी को नियमित रूप से करना चाहिए, इससे हमारी संज्ञानात्मक, आध्यात्मिक और शारीरिक



क्षमताओं को ऊर्जा मिलती है। इस खास मौके पर वि.वि. द्वारा करायी गई 108 सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता के 46 प्रतिभागियों को, योगासन खेल प्रतियोगिता के 74 प्रतिभागियों को और मासिक योग सत्र के 95 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और विजेताओं को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित और उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ. राम किशोर ने किया। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. सुधांशु पांड्या, हेल्थ साइंस विभाग के

निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा, शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार दुबे, प्रो. संजय स्वर्णकार, सभी संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण तथा भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विजेताओं के नाम-

योगासन खेलकूद प्रतियोगिता में 13 महाविद्यालयों एवं संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिनमें एस.एन. सेन महाविद्यालय से भूमि, वि.वि. के शारीरिक शिक्षा विभाग से शुभी, योगेश, विनोद, रवि कुमार और तेजस्वी तथा हेल्थ साइंस से काजल और कंचन ने प्रथम स्थान हासिल किया। वि.वि. के हेल्थ साइंसेज से आराधना यादव, डी.ए.वी कॉलेज से मानसी मिश्रा, कमलपारु और विक्रान्त सिंह यू.आई.ई.टी से आशुतोष शुक्ला, टीचर एजुकेशन से अमरनाथ वर्मा तथा शारीरिक शिक्षा विभाग से बेबी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में वि.वि. के शारीरिक शिक्षा विभाग से श्रद्धा कटियार, पी.जी.कॉलेज से ज्योति सिंह, डी.ए.वी कॉलेज से प्रियंका सेंगर, हेल्थ साइंस से प्रखर सचान तथा डी.ए.वी कॉलेज से रितेश कनौजिया ने तृतीय स्थान हासिल किया।



Yoga Day Activities

CSJMU's mission shakti participated in organizing a special session on Yoga on 24th June 2022. The chief guest of the program was Padmashri Swami Bharat Bhushan Ji. Around 400 girls and boys students attended the event and learnt about the benefits of yoga. Honorable chancellor Prof Vinay Kumar Pathak, Pro Vice chancellor Prof. Sudheer Kr Awasthi, Ayurvedacharya madam Dr. Vandana Pathak, Registrar Dr. Anil Yadav, Dean Student Welfare Prof. Sanjay Swarnkar, mission shakti nodal officer, Dr. Anuradha Kalani and mission shakti asst nodal officer, Dr. Rashmi Gore, and program convenor Dr. Digvijay Sharma, and Dr, Praveen Katiyar was present and participated in Yoga activities.